द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन

2013 - 2014

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

(प्रवर्तक : भारतीय स्टेट बैंक)

द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन 2013-14

निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

अंकेक्षकों का प्रतिवेदन

तुलन पत्र एवं

1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 में समाप्त वर्ष का लाभ-हानि खाता

-: प्रधान कार्यालय :-

18, न्यू रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड

पिन : 248001

फोन/कोड: 0135-2710660, 2710661 फैक्स: 0135-2710662

ईमेल : ugb_dun@rediffmail.com

वेबसाईट : www.uttarakhandgraminbank.com

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

''बैंक का दृष्टिकोण''

कार्य में उत्कृष्टता एवं पारदर्शिता, ग्राहकोन्मुखी सेवा, क्षेत्र में विकास हेतु नवोन्मेषी अवधारणाओं के साथ निरन्तर लाभार्जन करते हुये ''उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक'' को उत्तराखण्ड राज्य का ''उत्तम बैंक'' बनाना।

अध्यक्ष की कलम से

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक का सृजन दिनांक 1 नवम्बर, 2012 को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित पूर्ववर्ती उत्तरांचल ग्रामीण बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित नैनीताल अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन के पश्चात् किया गया। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक राज्य के समस्त 13 जनपदों में 260 शाखाओं के विस्तारित तन्त्र के साथ बैंकिंग सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर ग्रामीण अंचलों में जनता को बैंकिंग सुविधायें प्रदान करते हुये राज्य की जनता को सामाजिक व आर्थिक योगदान के साथ-साथ उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा लाभ अर्जित करना एक बड़ी उपलब्धि है। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-14 में व्यवसाय के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित किये गये :-

- वित्तीय वर्ष के दौरान राज्य में 23 नयी शाखाओं के साथ 260 शाखाओं के वृहत तन्त्र की स्थापना ।
- शाखा विस्तार के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य का दूसरा बडा बैंक।
- जमा में गत वर्षों की तुलना में सर्वाधिक वृद्धि दर 22.49% अर्जित करते हुए जमा स्तर रू0 2729 करोड़।
- ऋण क्षेत्र में गत वर्षों के सापेक्ष सर्वाधिक वृद्धि दर 21.92% के साथ ऋण स्तर रू0 1515 करोड़।
- समग्र व्यवसाय रू0 4244 करोड़ एवं सकल लाभ रू0 15.93 करोड तथा निवल लाभ रू0 11.30 करोड़।
- बैंक का ऋण जमा अनुपात 56% रहा है जो कि उत्तराखण्ड राज्य के औसत अनुपात से अधिक है।
- उत्तराखण्ड राज्य के आर्थिक विकास के लिये रू0 798.78 करोड़ के ऋण वितरित तथा वार्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत प्रदत्त लक्ष्य के सापेक्ष 100% वृद्धि।
- एसबीआई लाईफ के अन्तर्गत रू0 3 करोड़ का प्रीमियम तथा रू0 37 लाख की कमीशन आय, 10 एमडीआरटी विशेषज्ञता प्राप्त स्टॉफ (वर्ष 2013-14 में 7 एमडीआरटी विशेषज्ञता प्राप्त स्टॉफ के साथ समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में द्वितीय स्थान अर्जित किया)
- वित्तीय समावेशन के अन्तर्गत 286 व्यवसाय प्रतिनिधियों की नियुक्ति, 20 अल्ट्रा स्मॉल शाखाओं की स्थापना।
- वित्तीय जागरूकता हेतु उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न जनपदों में 12 वित्तीय जागरूकता केन्द्र की स्थापना तथा 148 वित्तीय जागरूकता शिविरों का आयोजन।
- 143 व्यवसाय प्रतिनिधियों हेतु IIBF प्रमाणित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
- वित्तीय समावेशन में तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में प्रधान कार्यालय में एफ आई सर्वर की स्थापना, एफ आई सर्वर तथा सीबीएस सर्वर के सफल इंटीग्रेशन के साथ ऑन लाईन ट्रान्जेक्शन की सफल शुरूआत, नाबार्ड के सहयोग से व्यवसाय प्रतिनिधि के माध्यम से टेबलेट तथा लैपटॉप आधारित माइक्रो एटीएम की शुरूआत।
- वित्तीय जागरूकता हेतु मोबाईल वैन का संचालन, जिसमें बैंक के प्रथम एटीएम की शुरूआत शीघ्र ही की जायेगी।
- उत्तराखण्ड शासन के सहयोग से LPG गैस हेतु आसान शर्त पर ऋण सुविधा ग्रामीण गैस कनैक्शन योजना का प्रारम्भ।
- शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों की शिक्षा व स्वरोजगार सृजन के लिये राष्ट्रीय विकलांग वित्त विकास निगम के साथ टाई अप कर कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रारम्भ।
- अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के अन्तर्गत माइक्रो क्रेडिट फाइनेंस, महिला समृद्धि योजना, लघु व्यवसाय योजना के अन्तर्गत कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा।
- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम की विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं के अन्तर्गत कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा।
- अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के अन्तर्गत माइक्रो क्रेडिट फाइनेंस, महिला सशक्तिकरण योजना, सावधि ऋण योजना के अन्तर्गत कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा।
- पूर्ववर्ती नैनीताल अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के उत्तरांचल ग्रामीण बैंक में समामेलन के पश्चात् अस्तित्व में आये उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ की समस्त शाखाओं में Finacle Software के स्थान पर B@NCS-24 Software में सफल तकनीकी प्रत्यावर्तन किया गया।
- NEFT, SMS Alert, E-Tax, Internet banking Facility (Non Financial), रूपे एटीम कार्ड सुविधाए, रूपे केसीसी डेबिट कार्ड का वितरण।
- अधिकारी संवर्ग में Scale III से Scale IV में प्रथमत: प्रोन्नति।
- वर्ष के दौरान 40 अधिकारियों एवं 118 कार्यालय सहायकों की भर्ती।
- आरसेटी पिथौरागढ़ के अन्तर्गत विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
- वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर सुविधा, एनआरओ/एनआरई खाता सुविधा, पैन कार्ड आवेदन शाखाओं में स्वीकार करने हेतु सुविधा।
- आन्तरिक पत्रिका गंगोत्री का त्रैमासिक आधार पर संचरण।
- यूजीबी आर्ट गैलेरी में पेन्टिग एवं फोटोग्राफी की प्रदर्शनी द्वारा कला एवं संस्कृति को बढ़ावा।
- विभिन्न वाहन निर्गम कंपनियों टाटामोटर्स, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लि0, मारूति सुजुकी इंडिया लि0, हौण्डा मोटर्स साइकिल एण्ड स्कूटर्स इंडिया प्रा0लि0, इण्टरनेशनल ट्रेक्टर्स लि0 आदि से वाहन वित्तपोषण हेतु गठबंधन किया गया।

सुनहरे भविष्य की कामना के साथ -

यशपाल अरोड़ा

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

प्रधान कार्यालय 18, न्यू रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड

निदेशक मण्डल

अध्यक्ष : श्री यशपाल अरोड़ा

निदेशक :

अ- केन्द्र सरकार द्वारा नामित

1. **श्री शिशिर कुमार**
   सहायक महाप्रबन्धक,
   भारतीय रिजर्व बैंक,
   उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय,
   देहरादून, उत्तराखण्ड

3. **श्री आर्येन्द्र रस्तोगी**
   एडवोकेट,
   सम्भल, उत्तर प्रदेश

2. **श्री कमर जावेद**
   सहायक महाप्रबन्धक,
   राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक,
   उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड।

4. **गैर शासकीय निदेशक**
   रिक्त

ब- प्रायोजक बैंक द्वारा नामित

1. **श्री एम.बी. दिवाकर**
   उप महाप्रबन्धक (बैंकिंग एवं परिचालन)
   भारतीय स्टेट बैंक,
   देहरादून प्रशासनिक कार्यालय,
   उत्तराखण्ड।

2. **श्री रविन्द्र शर्मा**
   सहायक महाप्रबन्धक
   भारतीय स्टेट बैंक,
   देहरादून प्रशासनिक कार्यालय
   उत्तराखण्ड।

स- राज्य सरकार द्वारा नामित

1. **श्री इन्दुधर बौड़ाई (IAS)**
   अपर सचिव (ग्राम्य विकास),
   उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड।

2. **श्री एल.एन. पन्त**
   अपर सचिव (वित्त),
   उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड।

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

निदेशक मण्डल

श्री यशपाल अरोड़ा

श्री शिशिर कुमार

श्री कमर जावेद

श्री आर्येन्द्र रस्तोगी

रिक्त

गैर शासकीय निदेशक

श्री एम.बी. दिवाकर

श्री रविन्द्र शर्मा

श्री इन्दुधर बौड़ाई (IAS)

श्री एल.एन. पन्त

शाखा बनभूलपुरा, हल्द्वानी के उद्घाटन अवसर पर डॉ. श्रीमती इन्दिरा हृदयेश, कैबिनेट मंत्री, वित्त, उत्तराखण्ड सरकार, श्री यशपाल अरोड़ा अध्यक्ष उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक, श्री जे.सी. नैनवाल, क्षेत्रीय प्रबन्धक उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ, हल्द्वानी एवं श्री मुबीन खान निदेशक, डेयरी, उत्तराखण्ड।

आपदा प्रभावित परिवारों की महिला लाभार्थियों हेतु निःशुल्क एलपीजी गैस कनैक्शन योजना के अन्तर्गत अगस्तमुनी, जिला रूद्रप्रयाग में निःशुल्क गैस कनैक्शन वितरण समारोह में माननीय श्री गोविन्द सिंह कुंजवाल, स्पीकर, विधान सभा, श्री सतपाल महाराज, सांसद, श्रीमती अमृता रावत, कैबिनेट मंत्री, श्री राजेन्द्र भण्डारी, विधायक बद्रीनाथ, श्रीमती शैला रानी रावत, विधायिका केदारनाथ के साथ श्री सूरज भान कैम महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक।

बालाजी सेवा संस्थान के माध्यम से आयोजित किये गये वित्तीय जागरुकता शिविर में श्री कमर जावेद, सहायक महाप्रबन्धक, नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून।

शाखा भगवानपुर के उद्घाटन समारोह में श्री शिशिर कुमार, सहायक महाप्रबन्धक, भारतीय रिजर्व बैंक (निदेशक यूजीबी), श्री सूरज भान कैम, महाप्रबन्धक यूजीबी, श्री एल.एस. बड़वाल, क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री जी.डी. सिंह, प्रबन्धक प्रशासन, श्री एस.एस. नेगी, प्रबन्धक ऋण, श्री वाई.के. गौतम एवं स्टॉफ।

HIGHLIGHTS 2013-2014

TOTAL DEPOSITS
Rs. 2729 Cr.

TOTAL BUSINESS
Rs. 4244 Cr.

TOTAL ADVANCES
Rs. 1515 Cr.

- 22.29% GROWTH IN BUSINESS
- 08 NEW BRANCHES OPENED IN A SINGLE DAY
- 22.49% GROWTH IN DEPOSITS
- 23 NEW BRANCHES OPENED DURING THE YEAR 2013-14
- 22% GROWTH IN ADVANCES

- 2nd LARGEST NETWORK OF 260 BANK BRANCHES
- 07 OFFICERS QUALIFIED FOR MDRT UNDER SBI LIFE INSURANCE
- IT INITIATIVES- NEFT, e-TAX, SMS ALERT, INTERNET BANKING
- 286 BUSINESS CORESPONDENTS APPOINTED UNDER FINANCIAL INCLUSION
- 12 FINANCIAL LITERACY CENTRES AND 20 ULTRA SMALL BRANCHES OPENED

बैंक का प्रशासनिक स्वरुप

श्री यशपाल अरोड़ा
अध्यक्ष
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री जगदीश कुमार
महाप्रबन्धक
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री सूरज भान केम
महाप्रबन्धक
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री बी.डी.एस. रावत
मुख्य सतर्कता अधिकारी
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री टी.एस. बड़वाल
मुख्य निरीक्षक
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री जगदीश चन्द्र नैनवाल
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ, हल्द्वानी
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री वेद प्रकाश भटनागर
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-तृतीय, पिथौरागढ़
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री एल.एस. बड़वाल
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-प्रथम, देहरादून
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री नरी राम जौहरी
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-द्वितीय, पौड़ी
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री डी. आर. आगरी
प्रबन्धक निरीक्षण
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

प्रधान कार्यालय के आन्तरिक विभाग एवं कार्यरत अधिकारी

- **श्री पी.के. बौड़ाई**
  (मुख्य प्रबन्धक- अनुशासनात्मक कार्यवाही)
- **श्री रविन्द्र उप्रेती**
  (मुख्य प्रबंधक-मानव संसाधन)
- **श्री रमाकान्त मैठाणी**
  (वरिष्ठ प्रबंधक-आई.टी.)
- **श्री प्रवेश नौटियाल**
  (वरिष्ठ प्रबंधक-लेखा)
- **श्री देवेन्द्र सिंह बिष्ट**
  (प्रबंधक-बोर्ड एवं सचिवालय)
- **सुश्री मधु मैखुरी**
  (प्रबंधक-योजना एवं विकास)
- **श्री एन.के. नौटियाल**
  (प्रबंधक-वसूली)
- **श्री संजय कुमार पसबोला**
  (प्रबंधक-ऋण)
- **श्री एल.पी. डंडरियाल**
  (समवर्ती लेखा परीक्षक)
- **श्री अनिल त्रिपाठी**
  (निरीक्षक)
- **श्री रवि भारद्वाज**
  (निरीक्षक)
- **श्री अनिल उनियाल**
  (निरीक्षक)
- **श्री गिरीश चन्द्र डबराल**
  (निरीक्षक)
- **श्री के.एस. रावत**
  (निरीक्षक)
- **श्री देवेश जोशी**
  (निरीक्षक)

बैंक की पृष्ठ भूमि

उत्तराखण्ड राज्य (पूर्ववर्ती उत्तरांचल) भारत के उत्तरी भाग में स्थित राज्य है। सम्पूर्ण राज्य में विस्तृत कई पवित्र हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों के कारण प्राय: इसे ''देवताओं की भूमि'' कहा जाता है। उत्तराखण्ड मुख्यत: हिमालय, भाबर एवं तराई में व्याप्त प्राकृतिक सुन्दरता के लिये जाना जाता है। भारतीय गणराज्य का यह 27वां राज्य, 09 नवम्बर 2000 को हिमालयी क्षेत्र तथा समीपवर्तीय राज्य उत्तर प्रदेश के उत्तर पश्चिमी जनपदों को सम्मिलित कर पृथक रूप से बनाया गया है। उत्तर में यह तिब्बत के साथ, सुदूर पश्चिम में महाकाली क्षेत्र के साथ, पूर्व में नेपाल के साथ, दक्षिण में उत्तर प्रदेश के साथ तथा उत्तर पश्चिम में हिमाचल प्रदेश के साथ सीमा बनाता है। कुल 13 जिलों के साथ, राज्य 02 मण्डलों, गढ़वाल मण्डल एवं कुमायूँ मण्डल में विभक्त है। राज्य की अस्थायी राजधानी देहरादून है जो राज्य का सबसे बड़ा शहर है, जो रेल मार्ग तथा वायु मार्ग से जुड़ा हुआ है। राज्य का उच्च न्यायालय नैनीताल में है। पुरातात्विक प्रमाण यहां मनुष्य के प्रागैतिहासिक काल से अस्तित्व में होने की पुष्टि करते हैं।

गढ़वाली तथा कुमाऊँनी दो स्थानीय भाषायें हैं जबकि हिन्दी भी व्यापक रूप से बोली जाती है। उत्तराखण्ड ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहां संस्कृत को अधिकारिक भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। हिन्दुत्व की दो मुख्य नदियों, गंगा का उद्गम गंगोत्री में तथा यमुना का उद्गम यमुनोत्री में, यहीं है। इन दोनों के साथ बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मिलकर लघु चारधाम कहलाते हैं जो हिन्दुओं के लिये पवित्र धार्मिक स्थल हैं।

इस क्षेत्र के नृत्य मानव जीवन से जुड़ें हुये हैं तथा मनुष्य की विविध भावनाओं को प्रदर्शित करते हैं। संगीत, उत्तराखण्ड संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रमुख स्थानीय गीत मंगल, बासन्ती, खुरेड़ चौपती आदि है जो ढोल, दमाउ, तुरी, रणसिंहा, ढोलकी, ढौर, थाली, भंकोरा तथा मसकबाजा जैसे वाद्य यंत्रों के साथ गाये जाते हैं। संगीत को ईश्वर तक पहुंचने के साधन के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। जागर, एक प्रकार की आराधना है जिसमें गायक अथवा जागरिया ईश्वर की स्तुति करता है, जो रामायण तथा महाभारत जैसे महाग्रन्थों से प्रभावित होते हैं तथा ईश्वर के कृत्यों का वर्णन करते हैं।

विषम क्षेत्र होने के कारण उच्च पौष्टिकता वाले मोटे अनाज अति लोकप्रिय है। कुमाऊँ के सुदूरवर्ती भागों में अन्य अनाज जैसे मडुवा प्रसिद्ध है। बासमती चावल, गेहूँ, सोयाबीन, मूंगफली, मोटा अनाज, दालें तथा तिलहन प्रमुख रूप से यहां पैदा किया जाता है। सेब, सन्तरे, आड़ू, नाशपाती, लीची तथा खुबानी आदि प्रचुर मात्रा में पैदा होता है, जो वृहत्त फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के लिये अति महत्वपूर्ण है। राज्य में लीची, बागवानी, जड़ी-बूटियों, औषधीय पौधों एवं बासमती चावल के लिये कृषि निर्यात क्षेत्र बनाये गये हैं।

इसके अतिरिक्त पर्यटन एवं जलविद्युत भी मुख्य उद्योग है, तथा आई0टी0, आई0टी0ई0एस0, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स तथा ओटोमोबाइल उद्योग में भी पर्याप्त विकास किया गया है। वर्ष 2005-2006 के दौरान राज्य द्वारा 03 प्रमुख समेकित औद्योगिक क्षेत्रों (आई0आई0ई0), हरिद्वार, पन्तनगर तथा सितारगंज का, सेलाकुई में फार्मा सिटी, आई0टी0 पार्क, सहस्त्रधारा, देहरादून को इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी पार्क तथा सिगड़ी, कोटद्वार को ग्रोथ सेन्टर के रूप में विकसित किया गया है। वर्ष 2006 में राज्य में 20 औद्योगिक क्षेत्र पीपीपी मोड पर विकसित किये गये हैं।

उत्तराखण्ड कई दुर्लभ पौधों एवं प्रजातियों का घर है जिसमें से कई सेन्क्चुरीज तथा रिजर्व के द्वारा संरक्षित की गयी है। उत्तराखण्ड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क (भारत का सबसे प्राचीन नेशनल पार्क) रामनगर, नैनीताल तथा फूलों की घाटी नेशनल पार्क व नन्दा देवी नेशनल पार्क चमोली जिले में है जो संयुक्त रूप से यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के रूप में जाना जाता है। इस घाटी में कई पौधों की प्रजातियां पायी जाती हैं जो विश्व में केवल उत्तराखण्ड में ही पायी जाती है। राजाजी नेशनल पार्क, हरिद्वार जिले में, गोविन्द विहार नेशनल पार्क तथा सेन्क्चुरी तथा गंगोत्री नेशनल पार्क उत्तरकाशी, राज्य में कुछ अन्य संरक्षित क्षेत्र हैं।

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

बैंक की प्रगति : एक दृष्टि में

(राशि हजारों में)

क्र.सं.	विवरण	31-03-2013	31-03-2014
I	**प्रमुख प्रगति सूचकांक :**		
1	कार्यक्षेत्र में जिलों की संख्या	13	13
2	शाखाओं की संख्या	237	260
	(अ) ग्रामीण	193	212
	(ब) अर्धशहरी	34	34
	(स) शहरी	10	14
	(द) महानगरीय	0	0
3	कुल स्टाफ (प्रायोजक बैंक स्टाफ के अतिरिक्त) जिसमें से	824	832
	अधिकारी	457	456
4	जमा राशियां	22277920	27287280
	वृद्धि प्रतिशत	8.91**	22.49
5.	उधार अवशेष	1533186	2026202
	वृद्धि प्रतिशत	-2.95**	32.16
6	सकल ऋण एव अग्रिम अवशेष	12427791	15152596
	वृद्धि प्रतिशत	12.36	21.92
	6 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण	10122078	11857693
	6 में से अनु. जाति/जनजाति ऋण	1487056	2120681
	6 में से लघु सीमान्त कृषक खेतीहर मजदूरों को ऋण	2773678	2806986
	6 में से अल्पसंख्यकों को ऋण	436025	460678
7	ऋण जमा अनुपात	55.79	55.53
8	1. निवेश अवशेष (सावधि जमा रहित)	5333032	6181930
	वृद्धि प्रतिशत	3.2	15.92
	i. सांविधिक तरल निधि निवेश	4796574	5614404
	ii. गैर सांविधिक तरल निधि निवेश	536458	567526
	(सावधि जमा रहित)		
	बैकों के साथ चालू खाता अवशेष	382111	198308
	बैंकों के साथ सावधि जमा अवशेष	7056253	9187711
II	**औसत :**		
1	औसत जमा राशियां	19844972	23240250
	वृद्धि प्रतिशत	0.55	17.11
2	औसत उधार	1429566	1759881
	वृद्धि प्रतिशत	-0.41**	23.11
3	औसत ऋण एवं अग्रिम अवशेष	10940453	13175190
	वृद्धि प्रतिशत	1.36	20.43

**वृद्धि प्रतिशत दिनांक 02-11-2012 से 31-03-2013 तक (पाँच माह)